श्रीगुरुमाई के साथ क्रिस्मस का महोत्सव मनाना

२५ दिसम्बर, २०१७ की सुबह श्री मुक्तानन्द आश्रम में धरती चमचमाते बर्फ़ की सफ़ेद चादर से सजी हुई थी। आकाश स्वच्छ व निर्मल था, और हवाएँ मानो एक अनोखी ही धुन गा रही थीं, जो ख़ासकर उसी दिन के लिए हो — क्रिस्मस के दिन के लिए।

जब गुरुमाई जी महोत्सव के लिए वहाँ इकट्ठा हुए सभी लोगों से बात कर रही थीं, जब वे उनके साथ आश्रम में चल रही थीं, जब वे सत्संग में अपनी सिखावनियाँ प्रदान कर रही थीं तब प्रेम व सदिच्छा की भावना, उमड़ते आनन्द की भावना अत्यन्त स्पष्ट रूप से वहाँ मौजूद थी — ऐसा लग रहा था मानो यह भावना सभी के हृदय में अपना स्थान बना रही हो। सबके चहरे दमक रहे थे; क्रिस्मस की शुभकामनाएँ "Merry Christmas" वातावरण में गूँज रही थीं।

श्रीगुरुमाई हमें सिखाती हैं कि हमें एक-दूसरे के साथ अच्छाई भरा व्यवहार करें, हृदय के साथ जुड़े रहते हुए कार्य करें, हम प्रेम से कार्य करें। क्रिस्मस के दिन पूरे आश्रम में यह दिख रहा था, महसूस हो रहा था और सुनाई भी दे रहा था कि सभी इस सिखावनी को प्रकट रूप दे रहे हैं।

श्रीगुरुमाई के कहने पर, श्री मुक्तानन्द आश्रम में मनाए गए क्रिस्मस महोत्सव की ये झलकियाँ सार्वभौमिक संघम् के लिए उपलब्ध की जा रही हैं। इस प्रकार आप में से हर कोई, चाहे आप जहाँ कहीं हों, गुरुमाई जी की सिखावनियाँ प्राप्त कर सकते हैं और इस महोत्सव के आनन्द को अनुभव कर सकते हैं।

© २०१७ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।